फिर सजेगा निवेश का सबसे बड़ा मंच

योगी सरकार ने शुरू की ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 की तैयारी, 60 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों पर नजर

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

यूपी में एक बार फिर निवेश का सबसे बड़ा मंच सजेगा। योगी सरकार ने इस साल की आखिरी तिमाही में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 (GIS) के आयोजन की तैयारी शुरू कर दी है। औद्योगिक विकास विभाग एवं इन्वेस्ट यूपी को इसको कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया है। कोशिश यही है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में आए निवेश प्रस्तावों के मुकाबले डेढ़ से दोगुना निवेश प्रस्ताव हासिल किया जाए। तब यूपी को 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले थे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसी हफ्ते इन्वेस्ट यूपी के कामकाज की समीक्षा की थी। सूत्रों के अनुसार, इस दौरान उन्होंने निवेश नीतियों को और सहज बनाने के साथ ही यूपी की संभावनाओं के विस्तार के लिए अगली इन्वेस्टर्स समिट की तैयारी करने के भी निर्देश दिए। इसके लिए देश-दुनिया के उद्योगों, निवेशकों से संपर्क-संवाद की संभावनाओं को तलाशने पर काम शुरू किया जाएगा।

एक ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य पर नजर : योगी सरकार ने 8 वर्षों में दो इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की है। पहली समिट में 4 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के प्रस्ताव मिले थे। वहीं, दो साल पहले हुई दूसरी समिट में इसके 10 गुना यानी 40 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव आए थे। दोनों ही आयोजन यूपी के औद्योगिक परिवेश के विस्तार के लिहाज से काफी सफल रहे थे। एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि प्रदेश का लक्ष्य एक ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनना है। इन्वेस्टमेंट इसमें अहम भूमिका निभाएगा। यूपी को मेगा लक्ष्य हासिल करने के लिए 100 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश की जरूरत है। इस साल के अंत तक इसका एक-तिहाई निवेश जमीन पर उतारने पर नजर है। आम तौर पर अगर किसी इन्वेस्टर्स समिट में आए एक-तिहाई प्रस्ताव जमीनी शक्ल ले लें तो इसे अच्छी सफलता माना जाता है। यूपी में यह दर 38% से ज्यादा है। इसे और बढ़ाने पर फोकस है। इसलिए, अगली GIS में हमारी कोशिश 60 से 80 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्रदेश में लाने पर है। इसके लिए नए सेक्टर्स के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

जमीन पर उतरेंगे और भी प्रॉजेक्ट

सरकार की कवायद केवल निवेश के मेगा इवेंट पर ही नहीं बल्कि उसको जमीन पर उतारने की है। 2018 में हुए इन्वेस्टर्स समिट के 46% से ज्यादा प्रस्ताव तीन ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के जरिए हकीकत की शक्ल ले चुके हैं। वहीं, GIS-23 में आए प्रस्तावों के क्रियान्वयन के लिए भी एक ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी हो चुकी है जिसे GBC-4 नाम दिया गया था। इसमें 10 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव जमीन पर उतरे थे, जिसमें 3 लाख करोड़ रुपये का कमर्शल प्रॉडक्शन भी शुरू हो चुका है। अगली GIS के पहले कुछ और एमओयू को मूर्त रूप दिया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि 3 लाख रुपये करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी भी GIS के पहले की जाएगी। इस तरह 15 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश धरातल पर उतर चुका होगा।

AI Image

यूं रहा है निवेश का परिवेश

निवेश जो जमीन पर उतरे